

केंद्र ने प्रतष्ठा (prestige) सूची के संस्थानों के नाम जारी किये

चर्चा में क्यों?

सरकार ने अनुसंधान कार्य को बढ़ाने और भारतीय शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग (global ranking) में सुधार के लिये विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय बनाने की अपनी योजना के तहत छः संस्थानों को प्रतष्ठा के संस्थान के रूप में नामित किया है।

प्रमुख बंदि:

- केंद्र सरकार द्वारा भारतीय वज्जान संस्थान (IISc), बंगलूरु सहति छह उच्च शकिषा संस्थानों को प्रतष्ठा के संस्थान (institutes of eminence) के रूप में नामित किया गया है। अन्य संस्थानों में मुंबई और दलिली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) के अतरिकित तीन नज्जी क्षेत्र के संस्थान हैं जनिमें- रलियंस फाउंडेशन द्वारा प्रस्तावति जयिो इंस्टीट्यूट, मणपिल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन और बीआईटीएस, पलानी शामिल हैं। महाराष्ट्र के जयिो इंस्टीट्यूट को ग्रीनफील्ड श्रेणी में चुना गया है।
- एन. गोपालसवामी के अनुसार ग्रीनफील्ड श्रेणी के अंतर्गत नामति इस संस्थान को तीन वर्षों के लयि सूची में शामिल किया गया है, जसिके तहत संस्थान को अकादमिकि परचालन आरंभ करना होगा। यद संस्थान ऐसा करने में असफल रहता है तो समति इस संस्थान को प्रतष्ठा की सूची से हटा सकती है। उसकी यह स्थति उसे अन्य संस्थानों से अलग करता है।
- उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्य नरिवाचन आयुक्त एन. गोपालसवामी के अधीन एक अधिकार प्राप्त समति ने इन संस्थानों की सफिरशि की है।
- जब तक समति द्वारा 10 सार्वजनिक और 10 नज्जी संस्थानों को अंतमि रूप से इस सूची में शामिल नहीं किया जाता है तब तक अन्य संस्थान भी इस सूची में स्थान पाने के लयि आवेदन कर सकते हैं।

प्रतष्ठा सूची के संस्थानों की विशेषताएँ:

- इन संस्थानों को अपना कार्यक्रम और पाठ्यक्रम नरिधारति करने की पूरी छूट होगी।
- बनिा कसिी फीस प्रतबंध के 30% वदिशी छात्रों को प्रवेश दे सकेंगे।
- ये संस्थान AICTE, UGC और HECI के वनियमों से स्वतंत्र होंगे।